प्रेस–विज्ञप्ति 12.12.2016

दिनांक 12 दिसम्बर, 2016 को सायं 03:30 बजे से कानपुर के नागरिकों के आत्मगौरव को बढाने वाला नारा "गर्व से कहो हम कनपुरिये है" को देने वाले कनुरियम के संस्थापक स्व. श्री प्रकाश गुप्ता, अधिवक्ता के 71वीं जयंती पर **"कानपुर के स्मृति शेष इतिहासकार"** विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गयी।

संगोष्ठी के मुख्य-अतिथि श्री आर.एन. त्रिवेदी ने कहा की अभी यह खोज बाक़ी है की कानपुर का इतिहास प्राचीन है अथवा अर्वाचीन। श्री त्रिवेदी ने पुरातत्व विभाग द्वारा संग्रहीत महाभारत-कालीन बर्तनों के पुर्त साक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा की कानपुर का सम्बन्ध गंगाधारी की साम्यता से है जो सिन्धु हड़प्पा सभ्यता से भी प्राचीन है। उन्होंने यह भी बताया कि नक्षत्र-मंडल का स्वरूप हमेशा बदलता रहता हैजिससे किसी घटना का काल गणना की जा सकती है।

मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में कानपुरियम द्वारा आयोजित गोष्ठी में मर्चेंट्स चैम्बर के सभाकछ में वक्ताओं ने विस्तार ले साथ उन इतिहासकारों का स्मरण किया जिन्होंने कानपुर के इतिहास के लिखने में अपना योगदान दिया है। श्री साकेत गुप्ता ने विषय "कानपुर के स्मृति शेष इतिहासकार" के विषय में समस्त आगंतुकों को अवगत कार्य एवं इन स्मृति शेष इतिहासकारों में सर्व श्री दरगाही लाला, श्री नारायण प्रसाद अरोड़ा, श्री लछमीकान्त त्रिपाठी, श्री एस.पी. मेहरा, श्री मन्नी लाल नेबटिया, श्री रामनारायण खजान्ची, श्री नानक चन्द्र, श्री नरेश चन्द्र चतुर्वेदी, श्री शिवकुमार मिश्रा, श्री रामनाथ गुप्ता, श्री राग्गुनाथ सिंह आदि के योगदान की सराहना करते हुए स्व. श्री राम प्रकाश गुप्त का विशेष रूप से उल्लेख किया जिन्होंने कानपुर के इतिहास तथा यहाँ की धरोहरों के प्रति जनसामान्य का ध्यान आकर्षित किया।

डॉ. आई.एम.रोहतगी, पूर्वअध्यक्ष-मर्चेंट्स चैम्बर के पूर्व, ने मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की कार्य-शैली से सभी आगंतुकों को अवगत कराया एवं बताया की मर्चेंट्स चैम्बर प्रारम्भ से ही व्यापारी एवं समाज से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहा है एवं हमेशा तत्पर रहेगा। उन्होंने कानपुर के ऐतिहासिक संग्राहलय निर्मित करने का सुझाव दिया।

संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन श्री राम किशोर बाजपेयी ने किया। उन्होंने बताया की कानपुर की छवि को अपने-अपने तरीके से गर्व से प्रस्तुत करने में पंडित श्री सिद्धेश्वर अवस्थी (समर्पित पत्रकार), श्री बालाजीराव हार्डीकर, डॉ. मुनीश्वर निगम, श्री बालकृष्ण महेश्वरी एवं स्व. श्री प्रकाश गुप्ता, अधिवक्ता जी का अत्यधिक योगदान रहा है। उन्होंने यह भी सूचित किया की दिनांक 24 मार्च, 1803 को कानपुर बना और इस सम्बन्ध में इसका गेजेट आया, तब से हर साल दिनांक 24 मार्च को कानपुर स्थापन दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कानपुर को ख्याति-प्राप्त करवाने में स्वाधीनता संग्राम के आन्दोलनकारी स्व. लाला लाजपत राय जी का अभूतपूर्व योगदान रहा है, जिनके सम्मान में कानपुर शहर में के केन्द्र स्थापित है।

श्री बाजपेयी जी ने आने वक्तव्य में कानपुर में इंडस्ट्रियल हेरिटेज बनानी का प्रस्ताव रखा, जिससे की कानपुर के इतिहास को जन-जन तक पहुचाया जा सके और आने वाले समय में इसको याद रखा जा सके।

संयोजन तथा संचालन श्री संतोष गुप्ता, अधिवक्ता, ने किया तथा अध्यक्षता श्री पदम् कुमार जैन, अध्यक्ष, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश ने किया। सभा के अन्त में धन्यवाद-प्रस्ताव श्री बी.के. लाहोटी, उपाध्यक्ष, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश ने व्यक्त किया।

संगोष्ठी में श्री अशोक, श्री शिव शरण त्रिपाठी, श्री नरेन्द्र शर्मा, श्री हरी राम गुप्ता, श्री सुरेश गुप्ता, श्री कैलाश नाथ त्रिपाठी, श्री विष्णु त्रिपाठी, श्री के.के. द्विवेदी, श्री प्रफुल्ल मेहरोत्रा, श्री अनिल अवस्थी, आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। विचार व्यक्त करते हुए वर्तमान इतिहासकार श्री मनोज कपूर ने सूचित किया की कानपुर का प्राचीन नाम कान्हापुर था जिसकी स्थापना कन्नौज राजघराने से सम्बन्ध रखने वाले राजा कान्हदेव सिंह ने किया था, जिसका शिलालेख जो की सन 1417 में स्थापित किया गया था आज भी भैरवघाट में मिलता है एवं सन 1750 के गेजैट में भी इसका उल्लेख किया गया है।

गोष्ठी में उपस्थित गणमान्य: श्री शिव कान्त दीक्षित, श्री एस.सी.गर्ग, श्री अनिल अवस्थी, श्री मोहित वैश, श्री एक.के. सिन्हा, सचिव, एम.सी.यू.पी. आदि सदस्यगण उपस्थित थे।

सधन्यवाद
मर्चेंट्स चैम्बर औफ उत्तर प्रदेश